Bg – मैं तुम्हें जल से बपतिस्मा दूंगा, परन्तु वह तुम्हें पवित्र आत्मा से बपतिस्मा देगा मत्ती ३:११-१२; मरकुस १:७-८;
लूका ३:१५-१८ | 1

– Save This Page as a PDF–

मैं तुम्हें जल से बपतिस्मा दूंगा, परन्तु वह तुम्हें पवित्र आत्मा से बपतिस्मा देगा

मत्ती ३:११-१२; मरकुस १:७-८; लूका ३:१५-१८

खोदाई: पवित्र आत्मा का बपतिस्मा क्या है? आग का बपतिस्मा क्या है? शुद्धिकरण के सिद्धांत से इसका क्या लेना-देना है? आग के बपतिस्मे का वर्णन करने के लिए यूहन्ना किन दो रूपकों का उपयोग करता है? योचनन किसकी ओर इशारा करता है और क्यों?

प्रतिबिंब: इस संदेश ने इस समय इस्राएल में काफ़ी खलबली मचा दी थी। क्या आज भी हम सभी के लिए अपने स्वयं के आध्यात्मिक जीवन के लिए विचार करना एक वैध संदेश है? क्यों या क्यों नहीं?

पहली सदी के इसराएल में कई लोगों ने मसीहा होने का दावा किया, इसलिए जब जकर्याह और एलिजाबेथ के बेटे ने यहूदिया के जंगल में भविष्यवाणी की, तो लोगों को आश्चर्य हुआ कि क्या वह अभिषिक्त व्यक्ति है। लोग बाट जोह रहे थे और सब अपने अपने मन में सोच रहे थे कि क्या यूहन्ना मसीहा हो सकता है (लूका ३:१५)। परन्तु यूहन्ना ने मसीहा होने का दावा नहीं किया, केवल अग्रदूत था, जिसे परमेश्वर द्वारा प्रतिज्ञात राजा के प्रकट होने के लिए लोगों को तैयार करने के लिए भेजा गया था।

युहन्ना के दिनों के यहूदी धर्म में मसीहा की अवधारणा अच्छी तरह से स्थापित थी; इसलिए युहन्ना के लिए उनका वर्णन करना शायद ही आवश्यक था। प्राचीन सिनेगॉग को तानाख में उसके बारे में अधिक संदर्भ मिले, जो बाद में ब्रित चादाशाह में बने थे। यह पूरी तरह से तनाख में उन अंशों के विस्तृत विश्लेषण से पैदा हुआ है, जिन्हें रब्बियों ने मसीहाई के रूप में संदर्भित किया है। यह संख्या ४५६ से ऊपर आती है (पेन्टाट्यूक से ७५, भविष्यवक्ताओं से २४३, और हागिओग्राफा से १३८), और उनके मसीहाई आवेदन को तारगुमिम, दो तालमुदों के रब्बीनिक विटिंग्स में ५५८ से अधिक संदर्भों द्वारा समर्थित किया गया है, और सबसे अधिक प्राचीन मिडराशिम।

रब्बी के इन लेखनों की सावधानीपूर्वक जाँच से पता चलता है कि नई वाचा में मसीहा के लिए शास्त्रीय संदर्भ पूरी तरह से उनके द्वारा समर्थित हैं। इस प्रकार, मसीहा के पूर्व-अस्तित्व जैसे सिद्धांत; मोशे से और स्वर्गदूतों से भी अधिक उसका स्थान; उनकी क्रूर पीड़ा और उपहास; उनकी हिंसक मौत; जीवितों और मृतकों की ओर से उनका कार्य; उसका छुटकारा, और इस्राएल की बहाली; अन्यजातियों का विरोध; उनका

Bg – मैं तुम्हें जल से बपतिस्मा दूंगा, परन्तु वह तुम्हें
पवित्र आत्मा से बपतिस्मा देगा मत्ती ३:११-१२; मरकुस १:७-८;
लूका ३:१५-१८ | 2

आंशिक निर्णय और परिवर्तन; उसके टोरा की सर्वोच्चता; अंत के दिनों की सार्वभौमिक आशीषें; और उसका राज्य, प्राचीन रब्बीनिक लेखनों के परिच्छेदों से स्पष्ट रूप से निकाला जा सकता है। युहन्ना यीशु को मसीहा के रूप में पेश करने में इस मसीहाई अवधारणा पर निर्माण कर सकता है।

अतः यीशु वहीं से आरम्भ करेगा जहाँ से यूहन्ना ने छोड़ा था, और यह वही है जो यूहन्ना ने कहा था कि अवश्य होना चाहिए। और जंगल में उसका सन्देश यह था: मेरे बाद वह आएगा जो मुझ से अधिक सामर्थी है, (मत्ती ३:११b; मरकुस १:७; लूका ३:१६a)। यह यूहन्ना के संदेश का सारांश है ताकि वह अपने मुख्य विषय पर ध्यान केंद्रित कर सके। एक आने वाला होगा जो युहन्ना से अधिक शक्तिशाली होगा। उसका बपतिस्मा पवित्र आत्मा और आग से होगा।

यूहन्ना ने उन सबका उत्तर यह कहकर दिया: मैं तुम्हें मन फिराव का बपतिस्मा या पानी से देता हूं (लूका ३:१६a)। यूहन्ना की जल बपतिस्मा की विशिष्ट सेवकाई के स्थान पर एक भिन्न प्रकार का बपतिस्मा होगा। इससे कुछ लोगों को युहन्ना की सेवकाई को यीशु के लिए केवल एक “वार्म-अप या ब्यायाम अधिनियम” के रूप में देखने में मदद मिली। हालांकि, कुछ और सच्चाई से और दूर नही हो सकता है। यूहन्ना के बपतिस्मा द्वारा चिन्हित पश्चाताप येशु की भावी सेवकाई के लिए आवश्यक था। यह अपने आप में लोगों को उनके पापों से नहीं बचा सकता था (मत्ति १:२१), जो यीशु की अनूठी भूमिका थी। जबकि पानी एक व्यक्ति के शरीर को शुद्ध कर सकता है, पवित्र आत्मा एक व्यक्ति के जीवन और स्वयं और हृदय को शुद्ध कर सकता है। परन्तु जो मुझ से अधिक सामर्थी है, वह आकर तुम्हें पवित्र आत्मा और आग से बपतिस्मा देगा (मत्ती ३:११a; मरकुस १:८; लूका ३:१६b-c)। राजा मसीहा आ रहा है। यह यूहन्ना का वादा था, और उसने कहा कि यीशु दो प्रकार के बपतिस्मे करने जा रहा है। एक ओर, जो विश्वास करते हैं वे पवित्र आत्मा के साथ बपतिस्मा लेने जा रहे हैं।

सबसे पहले, यूहन्ना प्रतिज्ञा करता है कि
प्रभु उन्हें पवित्र आत्मा से बपतिस्मा देगा। जबकि यूहन्ना का बपतिस्मा महत्वपूर्ण था, मसीह का बपतिस्मा इस्राएल की आत्मिक बुलाहट में और भी गहरा जाएगा। राज्य की तैयारी के लिए शुरू में एक बाहरी आह्वान होगा। लेकिन तब राज्य की वास्तविकता होगी जैसा कि पवित्र आत्मा के वास करने से अनुभव होता है।

Bg – मैं तुम्हें जल से बपतिस्मा दूंगा, परन्तु वह तुम्हें
पवित्र आत्मा से बपतिस्मा देगा मत्ती ३:११-१२; मरकुस १:७-८;
लूका ३:१५-१८ | 3

पवित्र आत्मा वाला वाक्यांश ग्रीक में एन न्यूमति है। कुछ विशेषणों के परिवर्तन को बड़ी बात कहते हैं। वे कहते हैं, “ठीक है, तुमने पवित्र आत्मा में बपतिस्मा लिया था, लेकिन क्या तुमने पवित्र आत्मा से बपतिस्मा लिया है?” या, “तुमने पवित्र आत्मा से बपतिस्मा लिया था, परन्तु क्या तुमने पवित्र आत्मा से बपतिस्मा लिया है।” यह सब एक स्मोक स्क्रीन है क्योंकि ग्रीक विशेषण एन का अनुवाद या तो में, या इसके द्वारा, या के साथ किया जा सकता है (मरकुस १:८; लूका ३:१६; यूहन्ना १:३३; प्रेरितों के काम १:५ और ११:१६; पहला कुरिन्थियों १२ :१३). विश्वास के क्षण में विश्वासियों को रूह कोडेश दिया जाता है (देखें Bw – विश्वास के क्षण में परमेश्वर हमारे लिए क्या करता है)।

पवित्र आत्मा की प्रतिज्ञा योएल और इगिकिएल की भविष्यवाणियों तक जाती है। योएल ने आने वाले समय की भविष्यद्वाणी की जब रूह (पवित्र आत्मा) पृथ्वी पर सभी लोगों पर, विशेष रूप से इस्राएल पर उण्डेला जाएगा। यह विशेष रूप से सुकून देने वाला रहा होगा और यूहन्ना के श्रोताओं के बीच विश्वासयोग्य यहूदियों के लिए खुशी की बात है, जो उस दिन की आशा करते थे जब परमेश्वर सभी लोगों पर [अपनी] आत्मा उण्डेलेगा (योएल २:२८a)। इसी तरह, इगिकिएल ने मसीहाई साम्राज्य में एक समय देखा (यशायाह Dc पर मेरी टिप्पणी देखें – एक शाखा यिशै के मूल से फूटेगी) जब वह [उन्हें] पर साफ पानी छिड़केगा, और [उन्हें] एक नया दिल देगा और डालेगा [उनके] भीतर एक नई आत्मा (यहेजकेल ३६:२५-२६)। उस दिन वे अंततः स्वयं परमेश्वर की शक्ति और व्यक्तित्व में बपतिस्मा लेंगे। दूसरे शब्दों में, युहन्ना का बपतिस्मा पहली सदी के यहूदी धर्म में पाए जाने वाले अन्य प्रकार के विसर्जन के समान था, लेकिन येशुआ का बपतिस्मा एक अलग, आध्यात्मिक प्रकृति का होगा।

दूसरी बात, वह आपको आग से बपतिस्मा देगा (मत्ती ३:११c; लूका ३:१६b)। आग आमतौर पर बाइबिल में निर्णय या शुद्धिकरण का प्रतीक है। यहाँ संदर्भ की मांग है कि जब मसीह फिर से प्रकट होंगे तो न केवल विश्वासियों के लिए आत्मा की आशीष होगी, बल्कि यह कि अविश्वासियों को न बुझने वाली आग से बपतिस्मा दिया जाएगा (प्रकाशित Fp पर मेरी टिप्पणी देखें – दूसरी मृत्यु: आग की झील)।

जहाँ तक रोमन कैथोलिकों का संबंध है, यहाँ अग्नि शब्द शुद्धिकरण की अवधारणा के प्रमाण ग्रंथों में से एक है। तब, रोम शुद्धिकरण के सिद्धांत के लिए अपना अधिकार कहाँ पाता है? चार छंदों का उल्लेख किया गया है, लेकिन उनमें से किसी का भी इस विषय पर कोई वास्तविक प्रभाव नहीं है। वे हैं:

(1) वह तुम्हें आग से बपतिस्मा देगा, जो कि मसीहा के विषय में यूहन्ना बपतिस्मा देने वाले के शब्द हैं (मत्ती ३:११c)।

(2) यदि यह जल जाएगा, तो बनाने वाले को हानि होगी परन्तु फिर भी वह बच जाएगा – भले ही वह आग की लपटों में से बच जाए (प्रथम कुरिन्थियों ३:१५)।

Bg – मैं तुम्हें जल से बपतिस्मा दूंगा, परन्तु वह तुम्हें
पवित्र आत्मा से बपतिस्मा देगा मत्ती ३:११-१२; मरकुस १:७-८;
लूका ३:१५-१८ | 4

(3) संदेह करने वालों पर दया करो; दूसरों को आग से छीनकर बचाओ (यहूदा २२-२३a)।

(4) मसीह के लिए। . . [जो] आत्मा में जीवित किया गया था। जीवित किए जाने के बाद वह गया और बन्दी आत्माओं के लिए घोषणा की – उन लोगों के लिए जो बहुत पहले अवज्ञाकारी थे, जब परमेश्वर नूह के दिनों में धैर्यपूर्वक प्रतीक्षा कर रहा था, जबकि सन्दूक बनाया जा रहा था। उसमें थोड़े से लोग, कुल मिलाकर आठ, पानी के द्वारा बचाए गए (पहला पतरस ३:१८-२०)। नतीजतन, रोमन कैथोलिक चर्च द्वारा यहां दिए गए चार मार्ग निश्चित रूप से एक बहुत ही हल्के रस्सी हैं जिस पर इतना भारी वजन लटकाया जा सकता है।

लेकिन रोम मुख्य रूप से द्वितीय मकाबीज़ १२:३९-४५, डौए संस्करण में एक मार्ग पर शुद्धिकरण के अपने सिद्धांत को आधार बनाता है। बेशक, यह ऐतिहासिक दृष्टि से उपयोगी है, लेकिन पवित्रशास्त्र के तोप का हिस्सा नहीं है। सबसे महत्वपूर्ण वचन कहता है, “इसलिए मृतकों के लिए प्रार्थना करना एक पवित्र और स्वस्थ विचार है कि वे अपने पापों से [मुक्त] हो सकें।” लेकिन न तो यह पद और न ही ऊपर वाले इस सिद्धांत की शिक्षा देते हैं। अवधि के अलावा कहीं भी आत्माओं को नरक की आग के समान तीव्रता से प्रताड़ित किए जाने का उल्लेख नहीं है। वास्तव में, शोधन शब्द यहाँ नहीं पाया जाता है। यह फिर से एक खतरनाक मार्ग है जिस पर इस तरह के झूठे सिद्धांत का निर्माण किया जा सकता है।

सांप के बारे में बात करने और आग से बचने के बाद (मत्तीयाहू ३:७), पेड़ कट गया और जल गया (मत्ती ३:१०), और पवित्र आत्मा और आग के साथ बपतिस्मा (मत्ती ३:११) – युहन्ना अब इसके लिए एक और रूपक जोड़ता है खलिहान का न्याय (जिसमें आग भी शामिल है)। उसने कहा: उसका सूप उसके हाथ में है, कि वह अपना खलिहान अच्छी तरह से साफ करे, और गेहूं को अपने खत्ते में इकट्ठा करे, परन्तु वह भूसी को उस आग में जलाएगा जो बुझने की नहीं (मत्तीयाहू ३:११b-१२; लूका ३:१७)। क्रिया स्पष्ट अधिक शाब्दिक अनुवाद पूरी तरह से स्वच्छ या शुद्धता है। कृषि इमेजरी में इसका मतलब शायद यह है कि खलिहान खाली छोड़ दिया जाता है जब सभी फूस को अलग कर दिया जाता है और गेहूं को संग्रहित किया जाता है। लेकिन अलंकारिक रूप से क्रिया परमेश्वर के फैसले के उद्देश्य की ओर इशारा करती है, सभी पापों को पूरी तरह से हटाने, एक शुद्ध लोगों को छोड़कर।

फिलिस्तीन में, प्राचीन दुनिया के कई अन्य हिस्सों की तरह, किसानों ने जमीन में थोड़ा सा गड्ढा निकालकर, या यदि आवश्यक हो तो एक खुदाई करके, आमतौर पर एक पहाड़ी पर जहां हवाएं पकड़ी जा सकती थीं, एक खलिहान बनाया। मिट्टी को तब गीला किया जाता था और तब तक पैक किया जाता था जब तक कि वह बहुत सख्त न हो जाए। फर्श की परिधि के आसपास, जो शायद तीस या चालीस फीट व्यास का था, अनाज को जगह पर रखने के लिए चट्टानों का ढेर लगाया जाएगा। अनाज के डंठल को फर्श पर रखे जाने के बाद, एक बैल, या बैलों की एक टीम, लकड़ी के भारी टुकड़ों को अनाज के चारों ओर घसीटते हुए, गेहूँ

Bg – मैं तुम्हें जल से बपतिस्मा दूंगा, परन्तु वह तुम्हें
पवित्र आत्मा से बपतिस्मा देगा मत्ती ३:११-१२; मरकुस १:७-८;
लूका ३:१५-१८ | 5

की गुठली को भूसी, या पुआल से अलग करती थी। फिर किसान एक फटकने वाला काँटा लेकर अनाज के ढेर को हवा में उछाल देता। हवा भूसी को उड़ा देगी, जबकि गेहूँ के दाने भारी होने के कारण वापस फर्श पर गिर जाएँगे। आखिरकार, अच्छे और उपयोगी गेहूं के अलावा कुछ नहीं बचेगा। इसके बाद मूल्यवान गेहूँ को भविष्य में उपयोग के लिए भंडारित किया जाएगा, जबकि भूसी को जला दिया जाएगा क्योंकि यह अनुपयोगी थी।

इसी तरह मसीहा उन सभी को अलग कर देगा जो उसके हैं और किसान की तरह गेहूँ को अपने खलिहान में इकट्ठा करेंगे, जहाँ वह हमेशा सुरक्षित और सुरक्षित रहेगा। साथ ही, किसान के समान, वह भूसी को न बुझने वाली आग से जलाएगा। यह जे में गी-हिन्नोम के रूप में ज्ञात निर्णय का एक आकर्षक विवरण है यहूदी साहित्य। प्राचीन समय में येरुशलम के बाहर की इस घाटी का उपयोग जलते हुए कचरे के ढेर के रूप में किया जाता था और कभी-कभी मूर्तिपूजक, मानव बलि का स्थान भी था। इसलिए यह न्याय के वास्तविक स्थान के लिए मसीहाई साम्राज्य में आने के लिए एक उपयुक्त तस्वीर थी (प्रकाशित Er पर मेरी टिप्पणी देखें – बेबीलोन कभी पाया नही जायेगा)। नतीजतन, ये शास्त्र सिखाते हैं कि प्रत्येक व्यक्ति, विश्वासी या अविश्वासी, यीशु मसीह द्वारा बपतिस्मा का अनुभव करेगा। यह रूह कोडेश (पबित्र आत्मा) के वास के साथ आशीर्वाद का बपतिस्मा होगा, या यह आग और न्याय का बपतिस्मा होगा।

यहाँ वादा यीशु का है जो आध्यात्मिक पूर्ति के अनुमानित समय को उन लोगों के लिए ला रहा है जो इसकी इच्छा रखते हैं। यही कारण है कि युहन्ना ने विनम्रतापूर्वक कहा: मेरे बाद वह आएगा जो मुझसे अधिक शक्तिशाली है। बप्तिस्मा देने बाला ने खुद को अपने सेवक के रूप में पेश करके लोगों को खुद से प्रभु यीशु मसीह की ओर इशारा किया। वास्तव में वह अपने को सेवक होने के योग्य भी नहीं समझता था। उसने कहा कि वह एक सेवक होने के लिए भी अयोग्य था, यह कहते हुए: जिसकी जूती का पट्टा मैं झुक कर खोलने के योग्य नहीं हूँ, जिसे वह पेश करने आया था (मत्ती ३:११b; मरकुस १:७; लूका ३:१६a)।). यूहन्ना की स्पष्ट विनम्रता, नम्यता और शालीनता ने लोगों को उसकी बात सुनने के लिए विवश कर दिया।

और भी बहुत से शब्दों में यूहन्ना लोगों को निरन्तर समझाता और उन्हें सुसमाचार या सुसमाचार सुनाता रहा (लूका ३:१८)। पश्चाताप का संदेश शुभ समाचार है, क्योंकि इसका अर्थ है कि क्षमा संभव है। लोग अभी भी अनन्त मृत्यु से अनन्त जीवन तक जा सकते हैं और पश्चाताप करने पर परमेश्वर के परिवार का हिस्सा बन सकते हैं। पाप की त्रासदी और परिणाम अपरिवर्तनीय नहीं हैं, और यह, मेरे मित्र, अच्छी खबर या सुसमाचार है। अपने उपदेश के द्वारा, यूहन्ना हमारे उद्धारकर्ता का मार्ग तैयार कर रहा था।